एससीआर को गति देने के लिए बनेगी विशिष्ट टीम

- सरकार का बड़ा कदम, स्टेट कैपिटल रीजन परियोजना को लेकर तैयारी शुरू
- परियोजनाओं को गति देने और निवेश के अवसर तलाशने में मिलेगी मदद

जासं ● लखनऊ : दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) परियोजना को गति देने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में एक विशिष्ट टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर अग्रसर योगी सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस विशिष्ट टीम के जरिए एससीआर में विभिन्न परियोजनाओं को गति देने, उनमें निवेश के अवसर तलाशने, एलडीए में ईआरपी साल्यूशंस को उपलब्ध कराने के साथ ही लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों की ब्रांडिंग के अवसर तलाशने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए एलडीए एक कंसल्टेंसी फर्म को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर चुका है। ईआरपी एससीआर की स्थापना के लिए जिस प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन किया जाएगा वह विशिष्ट टीम के तौर पर संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन और निवेश आकर्षित करने के लिए रणनीति विकसित करने में समर्थन करेगी। इस परियोजना के जरिए एलडीए का लक्ष्य लखनऊ के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि शहर निवेश और विकास के लिए एक प्रतिस्पर्धी और आकर्षक गंतव्य बना रहे। इस कार्य को पूरा करने के लिए पीएमयू टीम में आर्थिक विकास मामलों के विशेषज्ञों सहित अलग अलग क्षेत्रों के जानकार होंगे।

एससीआर से छोटे जिलों में विकास को मिलेगी गति : एससीआर में लखनऊ के साथ बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली जिलों को शामिल किया गया है, जिससे इन जिलों में भी विकास का पहिया दौड़ेगा। एनसीआर की तरह राजधानी लखनऊ से इन जिलों को तेज यातायात नेटवर्क से भी जोड़ा जाएगा। इससे इन जिलों के लोगों का लखनऊ की ओर पलायन भी थमेगा।

एससीआर में शामिल जिलों में भूमि की उपलब्धता के आधार पर प्रस्तावित विकास का ड्राफ्ट वहां के विकास प्राधिकरण बनाएंगे। ग्लोबल टेंडर से चयनित एजेंसी ड्राफ्ट के आधार पर इन जिलों का एकीकृत प्लान बनाएंगी। आरएफपी में वर्ष 2047 तक का विजन डाक्यूमेंट बनाया जाएगा। इसमें एयरपोर्ट, मेट्रो, रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के अलावा शहर के सुंदरीकरण सहित सभी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा।